Class XI Session 2025-26
Subject - Hindi Core
Sample Question Paper - 4

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (अपठित बोध)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (10)** **[10]**

बीसवीं शताब्दी में भारत ने ब्रिटिश साम्राज्यवादी-उपनिवेशवादी व्यवस्था को अपने ऊपर से उतार फेंका। महात्मा गांधी की प्रेरणा से भारतीय जनता ने एक नए ढंग का संघर्ष कर अपनी स्वाधीनता प्राप्त की। गांधीजी ने राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष को भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया। उनके लिए राजनैतिक और प्रशासनिक भेदभाव के खिलाफ लड़ना जितना महत्त्वपूर्ण था उतना ही महत्वपूर्ण था सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर के भेदभाव के विरुद्ध खड़ा होना। अपनी आत्मकथा' में गांधीजी लिखते हैं- "ऐसे व्यापक सत्यनारायण के प्रत्यक्ष दर्शन के लिए प्राणीमात्र के प्रति आत्मवत (अपने समान) प्रेम की भारी जरूरत है। इस सत्य को पाने की इच्छा करने वाला मनुष्य जीवन के एक भी क्षेत्र से बाहर नहीं रह सकता। यही कारण है कि मेरी सत्यपूजा मुझे राजनैतिक क्षेत्र में घसीट ले गई। जो कहते हैं कि राजनीति से धर्म का कोई सम्बन्ध नहीं है, मैं निस्संकोच होकर कहता हूँ कि ये धर्म को नहीं जानते और मेरा विश्वास है कि यह बात कह कर मैं किसी तरह विनय की सीमा को लाँघ नहीं रहा हूँ। आज राजनीति को धर्म से अलग मानने वालों को गांधीजी की यह बात जरूर सुननी चाहिए। अपने इसी विश्वास के कारण गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को प्रमुखता से आगे बढ़ाया क्योंकि वे जानते थे कि केवल राजनीतिक मुक्ति से उनके सपनों का भारत नहीं बनेगा। उनका मानना था कि करोड़ों वंचितों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति ही स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए।

(i) गांधीजी ने किस प्रकार का संघर्ष कर भारत को स्वाधीनता दिलाई? (1)

क) सशस्त्र संघर्ष

ख) हिंसक संघर्ष

ग) अहिंसक संघर्ष

घ) सामरिक संघर्ष

(ii) गांधीजी के लिए किसके विरुद्ध खड़ा होना महत्त्वपूर्ण था? (1)

क) विदेशी शासन के

ख) सामाजिक और धार्मिक भेदभाव के

ग) आर्थिक असमानता के

घ) सांस्कृतिक विरासत के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (1)

कथन (I): गांधीजी ने स्वाधीनता संग्राम में सामाजिक और सांस्कृतिक भेदभाव के खिलाफ संघर्ष को भी शामिल किया।

कथन (II): गांधीजी का मानना था कि केवल राजनीतिक मुक्ति ही भारत की समग्र मुक्ति है।

कथन (III): गांधीजी का विश्वास था कि राजनीति को धर्म से अलग नहीं किया जा सकता।

कथन (IV): गांधीजी ने स्वाधीन भारत की पहचान को आर्थिक उन्नति तक सीमित माना।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं?

क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।

ख) केवल कथन (II), (III) और (IV) सही हैं।

ग) केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

घ) केवल कथन (II) और (IV) सही हैं।

(iv) गांधीजी ने राजनीति के साथ किसका संघर्ष भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया? (1)

(v) गांधीजी के अनुसार स्वाधीन भारत की पहचान क्या होनी चाहिए? (2)

(vi) गांधीजी के अनुसार राजनीति और धर्म के बीच क्या संबंध है? (2)

(vii) गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को क्यों प्रमुखता से आगे बढ़ाया? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (8)** **[8]**

यादें होती हैं गहरी नदी में उठी भँवर की तरह
नसों में उतरती कड़वी दवा की तरह
या खुद के भीतर छिपे बैठे साँप की तरह
जो औचक्के में देख लिया करता है
यादें होती हैं जानलेवा खुशबू की तरह
प्राणों के स्थान पर बैठे जानी दुश्मन की तरह
शरीर में धंसे उस काँच की तरह
जो कभी नहीं दिखता
पर जब-तब अपनी सत्ता का
भरपूर एहसास दिलाता रहता है
यादों पर कुछ भी कहना
खुद को कठघरे में खड़ा करना है
पर कहना मेरी मजबूरी है।

i. **निम्नलिखित काव्यांश के अनुसार, "यादें" किस प्रकार अनुभव होती हैं? सही विकल्प चुनिए: (1)**

I. नदी में उठे भँवर की तरह

II. जानलेवा खुशबू की तरह

III. हल्की और सुखद अनुभूति की तरह

IV. शरीर में धंसे काँच की तरह

विकल्प:

क) केवल I और II सही हैं।

ख) केवल III सही है।

ग) I, II और IV सही हैं।

घ) I, III और IV सही हैं।

ii. **कविता में 'काँच की तरह' से यादों का क्या स्वरूप बताया गया है? (1)**

क) स्पष्ट और चमकदार

ख) खतरनाक और अस्पष्ट

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) अदृश्य लेकिन महसूस करने योग्य

घ) सुंदर और आकर्षक

iii. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान में रखते हुए, कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कर सही विकल्प का चयन करें: (1)**

कॉलम 1	कॉलम 2
I. जानलेवा खुशबू	1. दुश्मन की तरह
II. शरीर में धंसा काँच	2. नदी में उठे भँवर की तरह
III. नसों में उतरती कड़वी दवा	3. कड़वे एहसास की तरह

क) I - (1), II - (3), III - (2)

ख) I - (3), II - (2), III - (1)

ग) I - (1), II - (2), III - (3)

घ) I - (2), II - (1), III - (3)

iv. **कविता में 'जानलेवा खुशबू' से यादों का क्या संकेत मिलता है? (1)**

v. **कविता में 'नसों में उतरती कड़वी दवा' और 'शरीर में धंसे उस काँच' के माध्यम से यादों के किस गुण का वर्णन किया गया है? (2)**

vi. **कविता के अनुसार, यादों पर कुछ भी कहना क्यों लेखक की मजबूरी है? (2)**

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. **दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।** **[6]**

   i. **फुटपाथ पर तमाशा दिखाते बच्चे** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

   ii. **मैं और मेरा देश** विषय पर निबंध लिखिए। **[6]**

   iii. **स्मार्ट कक्षा के लाभ** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

4. आपके विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह संपन्न हुआ। इसका विवरण देते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को 80-100 शब्दों में पत्र लिखकर उसे प्रकाशित करने का अनुरोध कीजिए। **[5]**

अथवा

अपने नगर के शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालय में दोपहर के समय वितरित किए जाने वाले भोजन के गिरते स्तर की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

5. **अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[11]**

   i. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)**

      i. एडवोकेसी पत्रकारिता पर टिप्पणी कीजिए। **[2]**

      ii. स्ववृत्त निर्माण की कला में निपुण होना क्यों आवश्यक है? **[2]**

      iii. कोष किसे कहते हैं? **[2]**

      iv. संचार किसे कहते हैं? **[2]**

      v. राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, दिल्ली की सांस्कृतिक समिति की बैठक के लिए कार्यसूची तैयार कीजिए। **[2]**

   ii. i. पटकथा के कितने प्रकार होते हैं? **[3]**

अथवा

i. डायरी कैसे और किस में लिखनी चाहिए? **[3]**

खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

झोली फैलाऊँ और न मिले भीख

कोई हाथ बढ़ाए कुछ देने को

तो वह गिर जाए नीचे

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

और यदि मैं झुकूँ उसे उठाने
तो कोई कुत्ता आ जाए
और उसे झपटकर छीन ले मुझसे

i. उपरोक्त पंक्तियों में कवयित्री का कौन-सा भाव प्रकट हो रहा है?

क) मोह की पराकाष्ठा
ख) त्याग की पराकाष्ठा
ग) संसार की पराकाष्ठा
घ) अपमान की पराकाष्ठा

ii. कवयित्री ईश्वर से भीख माँगने की कामना क्यों करती हैं?

क) क्योंकि वह संसार से दूर जाना चाहती हैं
ख) क्योंकि वह ईश्वर को प्राप्त करना चाहती हैं
ग) क्योंकि वह अपने परिवार के साथ रहना चाहती है
घ) क्योंकि वह संसार के आकर्षण में बंधना चाहती है

iii. काव्यांश के अनुसार ईश्वर के साथ एकाकार होने के लिए क्या आवश्यक है?

क) अहं का त्याग
ख) भूख का त्याग
ग) भोजन का त्याग
घ) विनम्रता का त्याग

iv. कवयित्री कैसा जीवन जीने की कामना करती है?

क) गर्वयुक्त
ख) मोहपाश युक्त
ग) निस्पृह
घ) अहंकार युक्त

v. काव्यांश में **कुत्ता** किसका प्रतीक है?

क) परिवार का
ख) सांसारिक जीवन का
ग) समर्पण का
घ) मोह माया का

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. हम तो एक एक करि जाना –पद का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें। **[3]**
ii. कवि त्रिलोचन की भाषा को ठेठ का ठाठ क्यों कहा गया है? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए? **[3]**
iii. आओ, मिलकर बचाएँ कविता आदिवासी समाज की किन बुराइयों की ओर संकेत करती है? **[3]**

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. सबसे खतरनाक वह घड़ी होती है/आपकी कलाई पर चलती हुई भी जो/आपकी निगाह में रुकी होती है। इन पंक्तियों में घड़ी शब्द की व्यंजना से अवगत कराइए। **[2]**
ii. मीरा कृष्ण की उपासना किस रूप में करती है? वह रूप कैसा है? **[2]**
iii. गज़ल पहले शेर में चिराग शब्द एक बार बहुवचन में आया है और दूसरी बार एकवचन में। अर्थ एवं काव्य-सौंदर्य की दृष्टि से इसका क्या महत्व है? **[2]**

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मैं उत्तर-पच्छिम में खैबर के दर्रे से लेकर धुर दक्खिन में कन्याकुमारी तक की अपनी यात्रा का हाल बताता और यह कहता कि सभी जगह किसान मुझसे एक-से सवाल करते, क्योंकि उनकी तकलीफ़ें एक-सी थीं-यानी गरीबों, कर्ज़दारों, पूँजीपतियों के शिकंजे, ज़मींदार, महाजन, कड़े लगान और सूद, पुलिस के ज़ुल्म, और ये सभी बातें गुँथी हुई थीं, उस ढङ्ढे के साथ, जिसे एक विदेशी सरकार ने हम पर लाद रखा था और इनसे छुटकारा भी सभी को हासिल करना था। मैंने इस बात की कोशिश की कि लोग सारे हिंदुस्तान के बारे में सोचें और कुछ हद तक इस बड़ी दुनिया के बारे में भी, जिसके हम एक जुज़ हैं। मैं अपनी बातचीत में चीन, स्पेन, अबीसिनिया, मध्य यूरोप, मिस्त्र और पच्छिमी एशिया में होनेवाले कशमकशों का ज़िक्र भी ले आता। मैं उन्हें सोवियत यूनियन में होने वाली अचरज-भरी तब्दीलियों का हाल भी बताता और कहता कि अमरीका ने कैसी तरक्की की है। यह काम आसान न था, लेकिन जैसा मैंने समझ रखा था, वैसा मुश्किल भी न था। इसकी वजह यह थी कि हमारे पुराने महाकाव्यों ने और पुराणों की कथा-कहानियों ने, जिन्हें वे खूब जानते

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

थे, उन्हें इस देश की कल्पना करा दी थी, और हमेशा कुछ लोग ऐसे मिल जाते थे, जिन्होंने हमारे बड़े-बड़े तीर्थों की यात्रा कर रखी थी, जो हिंदुस्तान के चारों कोनों पर हैं। या हमें पुराने सिपाही मिल जाते, जिन्होंने पिछली बड़ी जंग में या और धावों के सिलसिले में विदेशों में नौकरियाँ की थीं। सन् तीस के बाद जो आर्थिक मंदी पैदा हुई थी, उसकी वजह से दूसरे मुल्कों के बारे में मेरे हवाले उनकी समझ में आ जाते थे।

i. खैबर का दर्रा कहाँ स्थित है?

क) उत्तर-पश्चिम में　　ख) दक्षिण-पूर्व में

ग) उत्तर-पूर्व में　　घ) उत्तर-दक्षिण में

ii. गद्यांश के अनुसार आर्थिक मंदी कब पैदा हुई थी?

क) सन् बत्तीस के बाद　　ख) सन् तीस के बाद

ग) सन् चालीस के बाद　　घ) सन् पैंतीस के बाद

iii. लेखक किसके दृष्टिकोण को बदलना चाहता है?

क) राष्ट्र के　　ख) नेताओं के

ग) लेखक के　　घ) किसानों के

iv. ग्रामीणों को देश-विदेश की जानकारी देना लेखक को मुश्किल क्यों लग रहा था?

क) क्योंकि उनकी सोच का दायरा बंद था　　ख) क्योंकि उनकी सोच निरक्षर थी

ग) क्योंकि उनकी सोच का दायरा सीमित था　　घ) क्योंकि उनकी सोच का दायरा विस्तृत था

v. अन्य देशों की तरक्की के बारे में बताने के पीछे लेखक का क्या उद्देश्य था?

क) वे अन्य देशों का विकास करना चाहते थे　　ख) वे अपने देश का विकास करना चाहते थे

ग) वे विदेश जाना चाहते थे　　घ) वे किसानों को पढ़ाना चाहते थे

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. **अब अगर हम उस जगह बाकी आधे सीन की शूटिंग करते, तो पहले आधे सीन के साथ उसका मेल कैसे बैठता? उनमें से कन्टिन्युइटी नदारद हो जाती है**- इस कथन के पीछे क्या भाव है? **[3]**

ii. जामुन का पेड़ गिरा देखकर क्लर्क ने क्या प्रतिक्रिया की? **[3]**

iii. रजनी पाठ के आधार पर सरकारी कार्यालयों की व्यवस्था पर टिप्पणी कीजिए। **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. मियाँ नसीरुद्दीन के मन में कौन-सा दर्द छिपा है? **[2]**

ii. **आठ करोड़ प्रजा के गिड़गिड़ाकर विच्छेद न करने की प्रार्थना पर आपने जरा भी ध्यान नहीं दिया**- यहाँ किस ऐतिहासिक घटना की ओर संकेत किया गया है? विदाई-संभाषण पाठ के आधार पर बताइए। **[2]**

iii. गलता लोहा पाठ में कहानी में चित्रित सामाजिक परिस्थितियाँ बताइए। **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)** **[10]**

i. लता मंगेशकर को बेजोड़ गायिका क्यों माना गया है? **[5]**

ii. राजस्थान में कुंई क्यों बनाई जाती हैं? कुंई से जल लेने की प्रकिया बताइए। **[5]**

iii. **आलो-आँधारि** पाठ में बेबी हालदार का जीवन संघर्ष से सफलता का संदेश देता है। स्पष्ट करें। **[5]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क (अपठित बोध)

1. (i) ग) अहिंसक संघर्ष
   (ii) ख) सामाजिक और धार्मिक भेदभाव के
   (iii) क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।
   (iv) गांधीजी ने राजनीति के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष को भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया।
   (v) गांधीजी के अनुसार करोड़ों वंचितों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति ही स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए।
   (vi) गांधीजी के अनुसार राजनीति को धर्म से अलग मानना गलत है, वे कहते हैं कि राजनीति में धर्म का होना आवश्यक है।
   (vii) गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को इसलिए प्रमुखता से आगे बढ़ाया क्योंकि वे जानते थे कि केवल राजनीतिक मुक्ति से उनके सपनों का भारत नहीं बनेगा।

2. i. ग) I, II और IV सही हैं।
   ii. ग) अदृश्य लेकिन महसूस करने योग्य
   iii. क) I - (1), II - (3), III - (2)
   iv. 'जानलेवा खुशबू' से यादों का संकेत है कि वे अत्यंत प्रभावशाली और हानिकारक हो सकती हैं, जो कभी भी हानिकारक परिणाम ला सकती हैं।
   v. 'नसों में उतरती कड़वी दवा' और 'शरीर में धंसे उस काँच' के माध्यम से यादों की गहराई और उनका दर्दनाक प्रभाव दर्शाया गया है। ये यादें स्थायी और परेशान करने वाली होती हैं।
   vi. कविता के अनुसार, यादों पर कुछ भी कहना लेखक की मजबूरी है क्योंकि ऐसा करने से वे खुद को कठघरे में खड़ा महसूस करते हैं और यह उनके लिए एक कठिन और भावनात्मक चुनौती है।

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।

(i) बचपन एक ऐसा अद्भुत समय होता है जब हमारे जीवन में आनंद और खुशियों का पर्याय तारा बन जाता है। इसी बचपन की खुशियों और उल्लास का दृश्य मैंने हाल ही में एक फुटपाथ पर देखा, जहाँ कुछ छोटे बच्चे अपनी नाट्य प्रस्तुति से हमें मोहित कर रहे थे। उन बच्चों की मुस्कान और खुशी से चमकती आंखें मुझे जीवन के सुंदरता का अनुभव कराती थीं। वे अपने नृत्य के माध्यम से अपनी संवेदनशीलता और स्वतंत्रता का प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी अद्भुत प्रकृति और जीवंत भावनाओं ने अपनी जटिलताओं से मुझे मुक्ति दिलाई। इस दृश्य से मुझे यह सीख मिली कि हमें जीवन की सुंदरता को खोजने के लिए अपने बचपन को याद रखना चाहिए। वे सरलता, खुशी और उमंग से भरे होते हैं और हमें याद दिलाते हैं कि हम अपने संवेदनशीलता और खुद को अभिव्यक्त करने का साहस रखें। बचपन का तमाशा हमें स्वयं को खोलने का अद्वितीय दृष्टिकोण प्रदान करता है और हमें समझाता है कि हमें जीने के लिए हमेशा उत्साहपूर्वक और खुशी के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

(ii) **मैं और मेरा देश**

परिचय: मेरा देश भारत, एक ऐसा देश है जो अपनी विविधता, संस्कृति और इतिहास के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहाँ की सभ्यता और संस्कृति अद्वितीय है, और हमें अपने भारतीय होने पर गर्व है।

इतिहास और संस्कृति: भारत का इतिहास बहुत पुराना और समृद्ध है। यहाँ रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य रचे गए हैं। महात्मा गांधी, भगत सिंह, और रवींद्रनाथ टैगोर जैसे महान व्यक्तित्वों ने इस देश को गौरवान्वित किया है। भारत में विभिन्न धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों का संगम है, जो इसे और भी विशेष बनाता है।

भौगोलिक विविधता: भारत की भौगोलिक विविधता भी अद्वितीय है। उत्तर में हिमालय की ऊँची चोटियाँ, दक्षिण में समुद्र तट, पश्चिम में थार का रेगिस्तान और पूर्व में हरे-भरे जंगल, सभी मिलकर भारत को एक अद्वितीय देश बनाते हैं। यहाँ की नदियाँ, जैसे गंगा, यमुना, और ब्रह्मपुत्र, जीवनदायिनी हैं।

समाज और एकता: भारत में विभिन्न धर्मों और जातियों के लोग मिलजुल कर रहते हैं। यहाँ की विविधता में एकता की भावना हमें एक सूत्र में बांधती है। चाहे होली हो या ईद, दिवाली हो या क्रिसमस, सभी त्योहार मिलजुल कर मनाए जाते हैं। यह हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है।

विकास और चुनौतियाँ: भारत ने स्वतंत्रता के बाद से बहुत प्रगति की है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। लेकिन अभी भी हमें गरीबी, अशिक्षा और भ्रष्टाचार जैसी चुनौतियों का सामना करना है। हमें मिलकर इन समस्याओं का समाधान करना होगा।

(iii) **स्मार्ट कक्षा के लाभ**

इंटरएक्टिव लर्निंग: स्मार्ट कक्षा में छात्रों को चित्र, वीडियो, और एनिमेशन के माध्यम से पढ़ाया जाता है, जिससे वे कठिन विषयों को भी आसानी से समझ पाते हैं। यह विधि छात्रों की समझ और याददाश्त को बढ़ाने में मदद करती है। समय और श्रम की बचत: स्मार्ट कक्षा में शिक्षकों को ब्लैकबोर्ड पर लिखने की आवश्यकता नहीं होती। वे प्रोजेक्टर और कंप्यूटर के माध्यम से सामग्री प्रस्तुत कर सकते हैं, जिससे समय की बचत होती है और शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी होती है।

सुलभता: स्मार्ट कक्षा के माध्यम से छात्र कहीं भी और कभी भी पढ़ाई कर सकते हैं। यह विशेष रूप से उन छात्रों के लिए लाभकारी है जो किसी कारणवश नियमित कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो पाते।

व्यक्तिगत ध्यान: स्मार्ट कक्षा में छात्रों को उनकी गति और समझ के अनुसार पढ़ाया जा सकता है। इससे प्रत्येक छात्र को व्यक्तिगत ध्यान मिलता

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

है और उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है।

पर्यावरण के अनुकूल: स्मार्ट कक्षा में कागज का उपयोग कम होता है, जिससे पर्यावरण की रक्षा होती है। डिजिटल नोट्स और असाइनमेंट्स के माध्यम से कागज की बचत होती है।

अद्यतित सामग्री: स्मार्ट कक्षा में शिक्षकों को नवीनतम जानकारी और सामग्री तक पहुंच होती है, जिससे वे छात्रों को अद्यतित और प्रासंगिक जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

स्मार्ट कक्षा ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति ला दी है। यह न केवल शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाती है, बल्कि छात्रों को भी एक नया और रोचक अनुभव प्रदान करती है। हमें इस तकनीक का अधिकतम उपयोग करना चाहिए ताकि शिक्षा को और अधिक सुलभ और प्रभावी बनाया जा सके।

4. सेवा में,
श्रीमान संपादक महोदय,
दैनिक जागरण नई दिल्ली।
विषय- वृक्षारोपण कार्यक्रम के विवरण हेतु
मान्यवर,
मैं अपने विद्यालय में हुए वृक्षारोपण की संस्तुति आपको भेज रहा हूँ ताकि आपके प्रतिष्ठित समाचारपत्र में प्रकाशित हो सके। कल 20 फरवरी, 2020 को मेरे विद्यालय गोविन्द पब्लिक स्कूल, गोविन्दपुरा में वृक्षारोपण समारोह संपन्न हुआ। प्रधानाचार्य, सभी आचार्यों एवं छात्रों ने मिलकर विद्यालय के सीमांत स्थानों पर भिन्न-भिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया। इसके पश्चात् मुख्य अतिथि महोदय ने प्रांगण के मध्य अशोक वृक्ष का एक पौधा लगाया।
मुझे भी इस समारोह में वृक्ष लगाने का मौका प्राप्त हुआ। वृक्षारोपण करके हम सब को बहुत खुशी मिली। पर्यावरण की शुद्धि का संकल्प लेकर सभी ने प्रतिवर्ष कुछ वृक्ष रोपित करने का प्रण किया। समारोह की समाप्ति पर्यावरण से संबंधित कुछ कार्यक्रम के बाद हुई। आशा है, आप समस्त विवरण प्रकाशित कर हमें कृतार्थ करेंगे।
13 जनवरी, 2012
निवेदक
गिरीश शर्मा

अथवा

सेवा में,
नगर शिक्षा अधिकारी
मेरठ
विषय- प्राइमरी एवं जूनियर स्कूलों में मध्यावकाश के समय वितरित होने वाले भोजन के गिरते स्तर के संबंध में
महोदय,
मैं आपका ध्यान नगर के प्राइमरी एवं जूनियर हाईस्कूलों में मध्यावकाश के समय विद्यार्थियों को वितरित किए जाने वाले दोपहर के भोजन के गिरते स्तर की ओर दिलाना चाहता हूँ। सरकार प्रति विद्यार्थी जितना पैसा देती है, ठेकेदार उतना खर्च नहीं करता। आप किसी भी दिन आकर देख सकते हैं कि भोजन की गुणवत्ता कितनी खराब है। दाल इतनी पतली होती है कि उसमें पानी है या दाल यह समझ ही नहीं आता। चावल में कंकड़ निकलते हैं और रोटियाँ भी खराब आटे की बनी सप्लाई हो रही हैं। यह भोजन न तो पौष्टिक है और न ही मानकों के अनुरूप | अतः कभी-कभी तो बच्चे इसे खाने से भी मना कर देते हैं। वे किसी भी साप्ताहिक खाद्य सारणी का पालन नहीं करते ,जो मन में आता है देर सवेर पहुँचाते हैं और बच्चों को घुड़कते, डाँटते भी है। वे जो भी भोजन लाते हैं वह पूरा भी नहीं पड़ता और कई बच्चों को ऐसे ही जाना पड़ता है।
मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि भोजन के स्तर को बढ़ाने का आदेश सम्बन्धित ठेकेदार को दें या किसी अन्य को ये कार्य सौंपे अन्यथा यह योजना अपने उद्देश्य में सफल न हो सकेगी।
आशा है आप मेरी प्रार्थना पर ध्यान देंगे।
भवदीय
गोविन्द मेहता
78/4
लक्ष्मी नगर
नई कालोनी
मेरठ
दिनांक 17 जनवरी, 2019

5. अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
(i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)
i. ऐसी पत्रकारिता जो किसी विचारधारा, उद्देश्य या मुद्दे को उठाकर जनमत तैयार करती है, एडवोकेसी पत्रकारिता कहलाती है। जेसिका लाल हत्याकांड, रुचिका काण्ड में न्याय के लिए समाचार माध्यमों ने सक्रिय भूमिका निभाई।
ii. क्योंकि इससे व्यक्ति का मूल्यांकन होता है। जो व्यक्ति अपना मूल्यांकन ठीक प्रकार से करवाना चाहता है, अपनी अहमियत को प्रकट करना चाहता है उसको स्ववृत्त निर्माण में कुशल होना अति आवश्यक है।
iii. कोष एक ऐसे सन्दर्भ ग्रन्थ को कहते हैं, जिसमें भाषा विशेष के शब्दादि का संग्रह हो या संग्रह के साथ उनके उसी या दूसरी या दोनों भाषाओं में अर्थ, पर्याय या विलोम हों या विशिष्ट अथवा विभिन्न विषयों की प्रविष्टियों की व्याख्या नामों (स्थान, व्यक्ति आदि) का परिचय या कथनों आदि का संकलन क्रमबद्ध रूप से हो। इसका मूल अर्थ 'शब्द संग्रह' है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iv. 'संचार' शब्द की उत्पत्ति 'चर' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है-चलना या एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचना।
सूचनाओं, विचारों और भावनाओं को लिखित, मौखिक या दृश्य-श्रव्य माध्यमों के जरिए सफलतापूर्वक एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाना ही संचार है।

v.

राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, दिल्ली की सांस्कृतिक समिति की बैठक

कार्यसूची

बैठक की तिथि - 28 अगस्त, 20XX
बैठक का समय - प्रातः 10 बजे
बैठक का स्थान - विद्यालय का सांस्कृतिक कक्ष
कार्यसूची

1. समिति के सदस्यों का स्वागत।
2. कार्यक्रम की तिथि व समय पर विचार।
3. कार्यक्रम में प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रम पर विचार।
4. कार्यक्रम में उपस्थित होने वाले अतिथियों के जलपान आदि पर विचार।
5. कार्यक्रम में धनराशि के व्यय पर विचार।
6. अध्यक्ष के द्वारा अन्य आवश्यक मुद्दों पर विचार।

हस्ताक्षर
(_____)
सचिव
राजकीय प्रतिभा विकास, विद्यालय दिल्ली

(ii) i. किसी फ़िल्म की पटकथा को किसी भी पूर्ववर्ती उपन्यास, नाटक, कहानी या उस सिनेमा विधा के लिए लिखी गई मूल रचना से रूपान्तरित किया जाता है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि पटकथा दृश्य-श्रव्य और कथन-कला आदि को लक्ष्य करके लिखी जाने वाली विधा होती है।

अथवा

i. डायरी सोने से पूर्व दिनभर की गतिविधियों को स्मरण करते हुए लिखनी चाहिए। डायरी किसी नोट बुक अथवा पुरानी डायरी में लिखने वाले दिन की तिथि डाल कर लिखनी चाहिए। नोट बुक अथवा पुराने साल की डायरी में डायरी लिखना इसलिए उचित होता है क्योंकि कई बार नए साल की डायरी की तिथियों में दिया गया खाली पृष्ठ हमें अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए कम लगता है अथवा कभी हम दो-चार पंक्तियों में ही अपनी बात लिखना चाहते हैं। इसलिए नए साल की डायरी के पृष्ठों की तिथियों तक स्वयं को सीमित रखने के स्थान पर यदि हम किसी नोटबुक अथवा पुराने साल की डायरी में अपनी सुविधा के अनुसार तिथियाँ डालकर अपने विचारों और अनुभवों को लिपिबद्ध करेंगे तो हम स्वयं को खुलकर अभिव्यक्त कर सकते हैं।

खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

झोली फैलाऊँ और न मिले भीख
कोई हाथ बढ़ाए कुछ देने को
तो वह गिर जाए नीचे
और यदि मैं झुकूँ उसे उठाने
तो कोई कुत्ता आ जाए
और उसे झपटकर छीन ले मुझसे

(i) **(ख)** त्याग की पराकाष्ठा
व्याख्या:
त्याग की पराकाष्ठा

(ii) **(ख)** क्योंकि वह ईश्वर को प्राप्त करना चाहती हैं
व्याख्या:
क्योंकि वह ईश्वर को प्राप्त करना चाहती हैं

(iii) **(क)** अहं का त्याग
व्याख्या:
अहं का त्याग

(iv) **(ग)** निस्पृह
व्याख्या:
निस्पृह

(v) **(ख)** सांसारिक जीवन का
व्याख्या:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सांसारिक जीवन का

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

(i) इस पद में कबीर ने परमात्मा को सृष्टि के कण-कण में देखा है, ज्योति रूप में स्वीकारा है तथा उसकी व्याप्ति चराचर संसार में दिखाई है। इसी व्याप्ति को अद्वैत सत्ता के रूप में देखते हुए विभिन्न उदाहरणों के द्वारा रचनात्मक अभिव्यक्ति दी है।
कबीरदास ने आत्मा और परमात्मा को एक रूप में ही देखा है। संसार के लोग अज्ञानवश इन्हें अलग-अलग मानते हैं। कवि पानी, पवन, प्रकाश आदि के उदाहरण देकर उन्हें एक जैसा बताता है। बाढ़ी लकड़ी को काटता है, परंतु आग को कोई नहीं काट सकता। सभी प्राणियों में एक ही ईश्वर विद्धमान है ,भले ही प्राणी रूप कोई भी हो। माया के कारण इसमें अंतर दिखाई देता है।

(ii) कवि त्रिलोचन के बहुभाषाविज्ञ शास्त्री होते हुए भी यह शास्त्रीयता उनकी कविता के लिए बोझ नहीं बनती। वे मंद लय के कवि हैं। इस कविता में उन्होंने वहीं के गाँव की बोलचाल की भाषा को नाटकीय बनाकर कविता को नया आयाम दिया है; जैसे-'कलकत्ते पर बजर गिरे', 'हाय राम! कितने झूठे हो', 'काले काले अच्छर', 'गाँव की ज़मीन से जुड़ी बातें' ठेठ गाँव की याद दिलाती हैं। इसलिए उनकी भाषा को 'ठेठ का ठाठ' कहा गया है।

(iii) प्रस्तुत कविता में आदिवासी समाज की कई ऐसी बुराइयों का उल्लेख किया गया है जो उनकी संस्कृति को धूमिल कर रहा है। उनके जीवन पर शहरी संस्कृति का प्रभाव पड़ रहा है जिसके कारण वे अपनी असली पहचान को भूलते जा रहे हैं। संथाली समाज अभी भी अशिक्षित है उनका झुकाव शराब की ओर अधिक हो रहा है। उनके अंदर आत्मविश्वास की कमी है। धनुष-बाण संथाल परगना की पहचान है। लेकिन आदिवासियों की ये पहचान अब खो चुकी है।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) 'घड़ी' शब्द के दो अर्थ मिलते हैं। पहला अर्थ जीवन से जुड़ा हुआ है। जिस प्रकार घड़ी निरन्तर चलती रहती है उसी प्रकार जीवन लगातार चलता रहता है। वह कभी नहीं रुकता। मनुष्य की चाह समाप्त होने पर ही वह जड़ हो जाता है।
दूसरा अर्थ है-दिनचर्या यदि व्यक्ति समय के अनुसार स्वयं को बाँध लेता है तो वह यांत्रिक हो जाता है। वह ढर्रे पर चलता है। उसके जीवन में नया कुछ करने का अवकाश नहीं होता।

(ii) मीरा कृष्ण की उपासना पति के रूप में करती है। कृष्ण अपने सिर पर मोर-मुकुट धारण करने वाले मन को मोहने वाले हैं। वे पर्वत को धारण करने वाले हैं। मीरा उन्हें अपना सर्वस्व मानती हैं। वे स्वयं को उनकी दासी मानती हैं।

(iii) शेर में पहली बार 'चिरागाँ' शब्द का प्रयोग किया गया है। यह बहुवचन शब्द है। यह साधारण जनता में आज़ादी का प्रकाश बिखेरने की बात करता है। दूसरी बारी में 'चिराग' शब्द का प्रयोग किया गया है, यह सीमित साधन को दर्शाता है। जहाँ पूरे शहर के लिए मात्र एक चिराग को दर्शाया जा रहा है।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मैं उत्तर-पच्छिम में खैबर के दर्रे से लेकर धुर दक्खिन में कन्याकुमारी तक की अपनी यात्रा का हाल बताता और यह कहता कि सभी जगह किसान मुझसे एक-से सवाल करते, क्योंकि उनकी तकलीफ़ें एक-सी थीं-यानी गरीबों, कर्ज़दारों, पूँजीपतियों के शिकंजे, ज़मींदार, महाजन, कड़े लगान और सूद, पुलिस के ज़ुल्म, और ये सभी बातें गुँथी हुई थीं, उस ढङ्ढे के साथ, जिसे एक विदेशी सरकार ने हम पर लाद रखा था और इनसे छुटकारा भी सभी को हासिल करना था। मैंने इस बात की कोशिश की कि लोग सारे हिंदुस्तान के बारे में सोचें और कुछ हद तक इस बड़ी दुनिया के बारे में भी, जिसके हम एक जुज़ हैं। मैं अपनी बातचीत में चीन, स्पेन, अबीसिनिया, मध्य यूरोप, मिस्त्र और पच्छिमी एशिया में होनेवाले कशमकशों का ज़िक्र भी ले आता। मैं उन्हें सोवियत यूनियन में होने वाली अचरज-भरी तब्दीलियों का हाल भी बताता और कहता कि अमरीका ने कैसी तरक्की की है। यह काम आसान न था, लेकिन जैसा मैंने समझ रखा था, वैसा मुश्किल भी न था। इसकी वजह यह थी कि हमारे पुराने महाकाव्यों ने और पुराणों की कथा-कहानियों ने, जिन्हें वे खूब जानते थे, उन्हें इस देश की कल्पना करा दी थी, और हमेशा कुछ लोग ऐसे मिल जाते थे, जिन्होंने हमारे बड़े-बड़े तीर्थों की यात्रा कर रखी थी, जो हिंदुस्तान के चारों कोनों पर हैं। या हमें पुराने सिपाही मिल जाते, जिन्होंने पिछली बड़ी जंग में या और धावों के सिलसिले में विदेशों में नौकरियाँ की थीं। सन् तीस के बाद जो आर्थिक मंदी पैदा हुई थी, उसकी वजह से दूसरे मुल्कों के बारे में मेरे हवाले उनकी समझ में आ जाते थे।

(i) **(क)** उत्तर-पश्चिम में
व्याख्या:
उत्तर-पश्चिम में

(ii) **(ख)** सन् तीस के बाद
व्याख्या:
सन् तीस के बाद

(iii) **(घ)** किसानों के
व्याख्या:
किसानों के

(iv) **(ग)** क्योंकि उनकी सोच का दायरा सीमित था
व्याख्या:
क्योंकि उनकी सोच का दायरा सीमित था

(v) **(ख)** वे अपने देश का विकास करना चाहते थे
व्याख्या:
वे अपने देश का विकास करना चाहते थे

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) इस कथन के पीछे यह भाव है कि किसी दृश्य को फ़िल्माने के लिए आवश्यक है कि उनमें आपस में मेल बैठे। यदि किसी कारणवश जिस जगह पर कोई दृश्य फिल्माया जा रहा है, वहाँ पर बदलाव हो गया है, तो उस दृश्य को फिल्माने के लिए वैसी ही परिस्थिति होनी चाहिए जैसे आरंभ में थी। ऐसा न होने पर उसकी वास्तविकता समाप्त हो जाएगी। यह ऐसा लगेगा जैसे कालीन में पैबंद लगाना। दर्शक इसको तुरंत पहचान लेगें। वह तारतम्यता नहीं मिलेगी। दर्शकों को फिल्म बनाते समय आने वाली समस्याओं का पता नहीं होता है।

(ii) सेक्रेटेरियेट के लॉन में जामुन का पेड़ गिर गया। उसे देखकर क्लर्क को दुख हुआ, क्योंकि अब उसे उसके मीठे फल खाने को नहीं मिलेंगे। उसे पेड़ के नीचे दबे व्यक्ति की कोई चिंता नहीं थी।

(iii) सरकारी कार्यालयों में आम आदमी को परेशान किया जाता है। यहाँ हर कदम पर रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार है। दफ्तरों में अफसरों के अन्दर होने के बाद भी बाहर व्यस्त होने का संदेश दिया जाता है। चपरासी भी रिश्वत लेकर ही मुलाकातियों को साहब से मिलने भेजता है। अधिकारी का रवैया काम को टालने वाला होता है। उसे जनता से कोई लेना-देना नहीं होता।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) मियाँ नसीरुद्दीन को लोगों की बदली रुचि से दुख है। पहले जमाने में लोग कलाकारों की कद्र करते थे। वे पकाने वालों की मेहनत, कलाकारी, योग्यता आदि का मान करते थे। अब जमाना बहुत तेजी से बदल रहा है। कमाने के साथ चलने की होड़ मची है। ऐसे में खाने वाला और पकाने वाला-दोनों जल्दी में हैं। इस दृष्टिकोण के कारण देश की पुरानी कलाएँ दम तोड़ रही हैं।

(ii) लेखक ने यहाँ बंगाल के विभाजन की ऐतिहासिक घटना की ओर संकेत किया है। लॉर्ड कर्ज़न दो बार भारत का वायसराय बनकर आया। उसने भारत पर अंग्रेजों का प्रभुत्व स्थाई करने के लिए अनेक काम किए। भारत में राष्ट्रवादी भावनाओं को कुचलने के लिए उसने बंगाल का विभाजन करने की योजना बनाई। कर्ज़न की इस चाल को देश की जनता समझ गई और उसने इस योजना का विरोध किया, परंतु कर्ज़न ने अपनी जिद्द को पूरा किया। बंगाल के दो हिस्से कर दिए गए- पूर्वी बंगाल तथा पश्चिमी बंगाल।

(iii) कहानी में गाँव के परंपरागत समाज का चित्रण किया गया है। ब्राह्मण टोले के लोग स्वयं को श्रेष्ठ समझते थे तथा वे शिल्पकार के टोले में उठते-बैठते नहीं थे। कामकाज के कारण शिल्पकारों के पास जाते थे, परंतु वहाँ बैठते नहीं थे। उनसे बैठने के लिए कहना भी उनकी मर्यादा के विरुद्ध समझा जाता था। मोहन कुछ वर्ष शहर में रहा तथा बेरोजगारी की चोट सही। गाँव में आकर वह इस व्यवस्था को चुनौती देता है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)

(i) **लता मंगेशकर को बेजोड़ गायिका कहने के कारण निम्नलिखित है-**

i. उनकी सुरीली आवाज़ जो ईश्वर की देन तो है ही, पर स्वयं लता जी ने उसे बहुत त्याग करके निखारा है।
ii. उनके गायन में जो 'गानपन' है वैसा किसी अन्य में नहीं मिलता। लता जी जैसा गायक शताब्दियों में कोई ही पैदा होता है।
iii. उच्चारण में शुद्धता और नाद का जैसा संगम है, जैसी भावों में निर्मलता है, उसने लता जी को सभी अन्य गायिकाओं से अलग बना दिया है।

(ii) राजस्थान में थार का रेगिस्तान है जहाँ जल का अभाव और दिनोंदिन जल की बढ़ती जा रही है है। नदी-नहर आदि तो स्वप्न की बात है। तालाबों और बावड़ियों के जल से नहाना, धोना और पशुधन की रक्षा करने का काम किया जाता है। कुएँ बनाए भी जाते हैं तो एक तो उनका जल स्तर बहुत नीचे होता है और दूसरा उनसे प्राप्त जल खारा (नमकीन) होता है। अतः पेय जल आपूर्ति और भोजन बनाने के लिए कुंई के पानी का प्रयोग किया जाता है। यह कुएँ से ब्यास में छोटी होती है। इसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए राजस्थान में कुंई बनाई जाती जब कुंई तैयार हो जाती है तो रेत में से रिस-रिसकर जल की बूँदें कुंई में टपकने लगती हैं और कुंई में जल इकट्ठा होने लगता है। इस जल को निकालने के लिए गुलेल की आकृति की लकड़ी लगाई जाती है। उसके बीच में फेरडी या घिरणी लगाकर रस्सी से चमड़े की थैली बाँधकर जल निकाला जाता है। आजकल ट्रक के टॉयर की भी चड़सी बना ली जाती है। जल निकालने का काम केवल दिन में एक बार सुबह-सुबह किया जाता है। उसके बाद कुंई को ढक दिया जाता।

(iii) बेबी हालदार का जीवन इस बात की जीती-जागती मिसाल है कि मनुष्य संघर्ष कर हर मुकाम को पा सकता है। यदि मनुष्य की इच्छा शक्ति प्रबल होती है तो वह हर परिस्थित को अपने अनुकूल बना सकता है। पति की ज्यादतियों को सहने वाली लाखों स्त्रियाँ हमारे समाज में रहती हैं। जो निम्न, मध्यम और उच्च-तीनों ही वर्गों में समान रूप से हैं। असल में बेबी जैसी स्त्रियाँ बहुत कम हैं जो अपने ऊपर विश्वास करके अत्याचारी पति को ठुकराकर बाहर निकल सकें। उसके बाद समाज में ओछी बातों पर ध्यान न देकर चुपचाप जीवन-जीना, अपने बच्चों को पालना ये सभी बातें हमें प्रेरित करती हैं कि अन्याय को सहन मत करो, स्वयं में विश्वास रखो और सदा मेहनत करते रहो। मेहनत कभी बेकार नहीं जाती। इसी शिक्षा को ग्रहण कर हमें सदा मेहनत और संघर्ष के साथ अन्याय को ठुकराना है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in